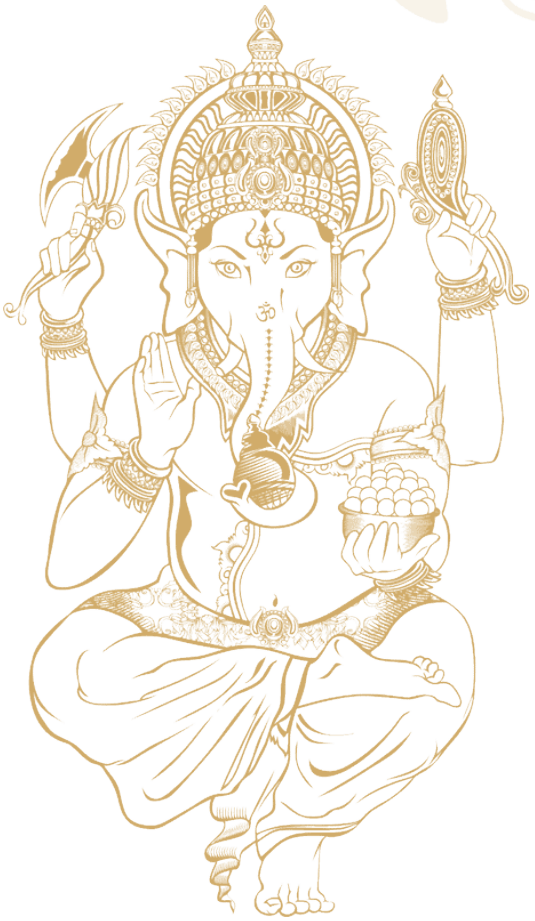

# Bholu kaushik

15 Oct 1999

05:45 AM

Meerut

Model: web-freekundliweb

Order No: 120976202

| | |
|---|---|
| लिंग | पुल्लिंग |
| **जन्म तिथि** | **14-15/10/1999** |
| दिन | गुरु-शुक्रवार |
| **जन्म समय** | **05:45:00 घंटे** |
| इष्ट | 58:33:54 घटी |
| **स्थान** | **Meerut** |
| राज्य | Uttar Pradesh |
| देश | India |

| | |
|---|---|
| अक्षांश | 29:00:00 उत्तर |
| रेखांश | 77:42:00 पूर्व |
| मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| स्थानिक संस्कार | -00:19:12 घंटे |
| ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| स्थानिक समय | 05:25:48 घंटे |
| वेलान्तर | 00:13:51 घंटे |
| साम्पातिक काल | 06:58:11 घंटे |
| सूर्योदय | 06:19:26 घंटे |
| सूर्यास्त | 17:50:56 घंटे |
| दिनमान | 11:31:30 घंटे |
| सूर्य स्थिति(अयन) | दक्षिणायन |
| सूर्य स्थिति(गोल) | दक्षिण |
| ऋतु | शरद |
| सूर्य के अंश | 27:21:06 कन्या |
| लग्न के अंश | 18:54:49 कन्या |

**अवकहड़ा चक्र**

| | |
|---|---|
| लग्न-लग्नाधिपति | कन्या - बुध |
| **राशि-स्वामी** | **वृश्चिक - मंगल** |
| **नक्षत्र-चरण** | **ज्येष्ठा - 4** |
| नक्षत्र स्वामी | बुध |
| योग | शोभन |
| करण | कौलव |
| गण | राक्षस |
| योनि | मृग |
| नाड़ी | आद्य |
| वर्ण | विप्र |
| वश्य | कीटक |
| वर्ग | मृग |
| युँजा | अन्त्य |
| हंसक | जल |
| जन्म नामाक्षर | यू-युवराज |
| पाया(राशि-नक्षत्र) | ताम्र - ताम्र |
| सूर्य राशि(पाश्चात्य) | तुला |

# ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

| ग्रह | व | अ | राशि | अंश | गति | नक्षत्र | पद | नं. | रा | न | अं. | स्थिति |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| लग्न | | | कन्या | 18:54:49 | 315:56:54 | हस्त | 3 | 13 | बुध | चंद्र | बुध | --- |
| सूर्य | | | कन्या | 27:21:06 | 00:59:28 | चित्रा | 2 | 14 | बुध | मंगल | गुरु | सम राशि |
| चंद्र | | | वृश्चि | 28:51:40 | 11:48:44 | ज्येष्ठा | 4 | 18 | मंगल | बुध | शनि | नीच राशि |
| मंगल | | | धनु | 04:40:15 | 00:43:05 | मूल | 2 | 19 | गुरु | केतु | चंद्र | मित्र राशि |
| बुध | | | तुला | 19:44:20 | 01:18:03 | स्वाति | 4 | 15 | शुक्र | राहु | मंगल | मित्र राशि |
| गुरु | व | | मेष | 07:15:18 | 00:07:55 | अश्विनी | 3 | 1 | मंगल | केतु | राहु | मित्र राशि |
| शुक्र | | | सिंह | 11:56:06 | 00:50:32 | मघा | 4 | 10 | सूर्य | केतु | बुध | शत्रु राशि |
| शनि | व | | मेष | 21:35:17 | 00:04:11 | भरणी | 3 | 2 | मंगल | शुक्र | गुरु | नीच राशि |
| राहु | व | | कर्क | 16:02:34 | 00:04:43 | पुष्य | 4 | 8 | चंद्र | शनि | गुरु | शत्रु राशि |
| केतु | व | | मक | 16:02:34 | 00:04:43 | श्रवण | 2 | 22 | शनि | चंद्र | शनि | शत्रु राशि |
| हर्ष | व | | मक | 19:02:27 | 00:00:25 | श्रवण | 3 | 22 | शनि | चंद्र | बुध | --- |
| नेप | | | मक | 07:44:16 | 00:00:02 | उत्तराषाढ़ा | 4 | 21 | शनि | सूर्य | केतु | --- |
| प्लूटो | | | वृश्चि | 14:45:08 | 00:01:44 | अनुराधा | 4 | 17 | मंगल | शनि | राहु | --- |
| दशम भाव | | | मिथु | 19:32:19 | -- | आर्द्रा | -- | 6 | बुध | राहु | मंगल | -- |

व - वक्री  स - स्थिर
अ - अस्त  पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:00

## लग्न-चलित

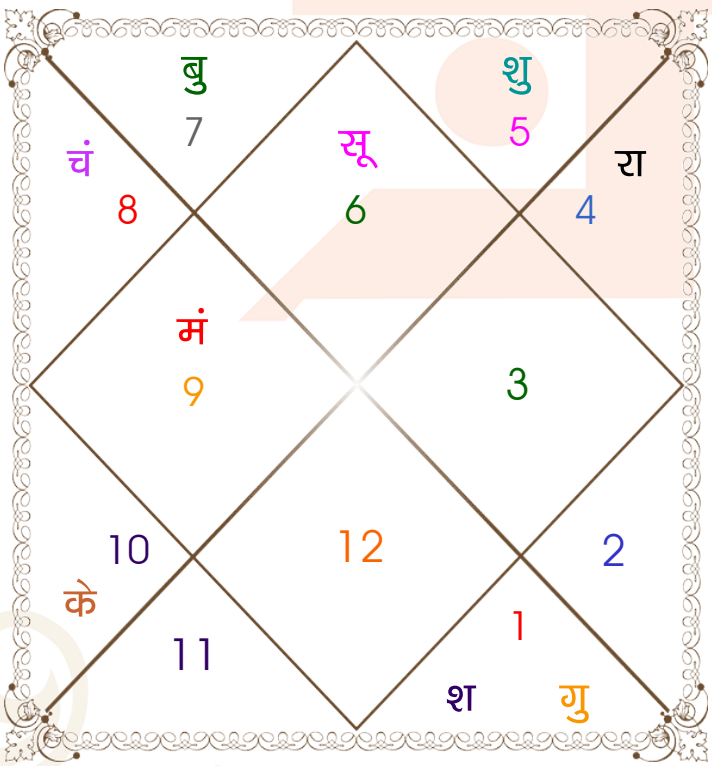


## चन्द्र कुंडली

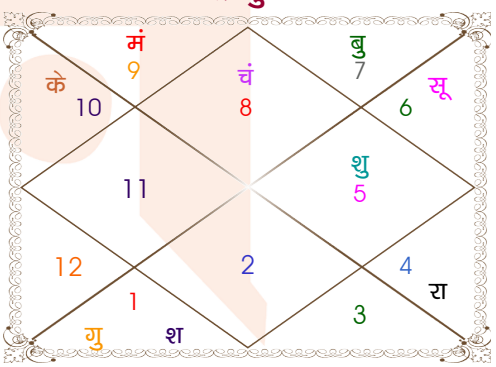


## नवमांश कुंडली

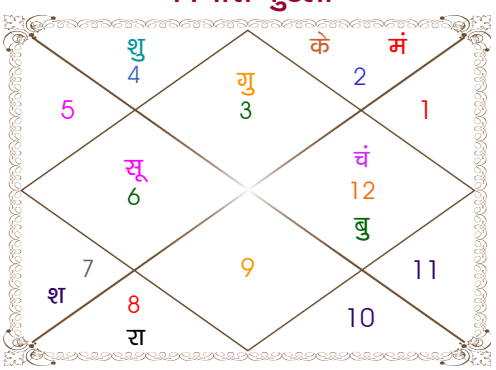

# विंशोत्तरी दशा

## भोग्य दशा काल : बुध 1 वर्ष 5 मास 12 दिन

| बुध 17 वर्ष | | केतु 7 वर्ष | | शुक्र 20 वर्ष | | सूर्य 6 वर्ष | | चंद्र 10 वर्ष | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 15/10/1999 | | 28/03/2001 | | 28/03/2008 | | 28/03/2028 | | 28/03/2034 | |
| 28/03/2001 | | 28/03/2008 | | 28/03/2028 | | 28/03/2034 | | 28/03/2044 | |
| | 00/00/0000 | केतु | 24/08/2001 | शुक्र | 28/07/2011 | सूर्य | 16/07/2028 | चंद्र | 27/01/2035 |
| | 00/00/0000 | शुक्र | 24/10/2002 | सूर्य | 28/07/2012 | चंद्र | 14/01/2029 | मंगल | 28/08/2035 |
| | 00/00/0000 | सूर्य | 01/03/2003 | चंद्र | 28/03/2014 | मंगल | 22/05/2029 | राहु | 26/02/2037 |
| | 00/00/0000 | चंद्र | 30/09/2003 | मंगल | 29/05/2015 | राहु | 16/04/2030 | गुरु | 28/06/2038 |
| | 00/00/0000 | मंगल | 26/02/2004 | राहु | 28/05/2018 | गुरु | 02/02/2031 | शनि | 27/01/2040 |
| | 00/00/0000 | राहु | 16/03/2005 | गुरु | 26/01/2021 | शनि | 15/01/2032 | बुध | 27/06/2041 |
| | 00/00/0000 | गुरु | 20/02/2006 | शनि | 28/03/2024 | बुध | 20/11/2032 | केतु | 27/01/2042 |
| | 15/10/1999 | शनि | 01/04/2007 | बुध | 27/01/2027 | केतु | 28/03/2033 | शुक्र | 27/09/2043 |
| शनि | 28/03/2001 | बुध | 28/03/2008 | केतु | 28/03/2028 | शुक्र | 28/03/2034 | सूर्य | 28/03/2044 |

| मंगल 7 वर्ष | | राहु 18 वर्ष | | गुरु 16 वर्ष | | शनि 19 वर्ष | | बुध 17 वर्ष | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 28/03/2044 | | 29/03/2051 | | 28/03/2069 | | 28/03/2085 | | 29/03/2104 | |
| 29/03/2051 | | 28/03/2069 | | 28/03/2085 | | 29/03/2104 | | 16/10/2119 | |
| मंगल | 24/08/2044 | राहु | 09/12/2053 | गुरु | 16/05/2071 | शनि | 31/03/2088 | बुध | 26/08/2106 |
| राहु | 12/09/2045 | गुरु | 03/05/2056 | शनि | 27/11/2073 | बुध | 09/12/2090 | केतु | 23/08/2107 |
| गुरु | 18/08/2046 | शनि | 10/03/2059 | बुध | 04/03/2076 | केतु | 18/01/2092 | शुक्र | 23/06/2110 |
| शनि | 27/09/2047 | बुध | 27/09/2061 | केतु | 07/02/2077 | शुक्र | 20/03/2095 | सूर्य | 29/04/2111 |
| बुध | 24/09/2048 | केतु | 15/10/2062 | शुक्र | 09/10/2079 | सूर्य | 01/03/2096 | चंद्र | 28/09/2112 |
| केतु | 20/02/2049 | शुक्र | 15/10/2065 | सूर्य | 28/07/2080 | चंद्र | 30/09/2097 | मंगल | 25/09/2113 |
| शुक्र | 22/04/2050 | सूर्य | 09/09/2066 | चंद्र | 27/11/2081 | मंगल | 09/11/2098 | राहु | 13/04/2116 |
| सूर्य | 28/08/2050 | चंद्र | 10/03/2068 | मंगल | 03/11/2082 | राहु | 16/09/2101 | गुरु | 20/07/2118 |
| चंद्र | 29/03/2051 | मंगल | 28/03/2069 | राहु | 28/03/2085 | गुरु | 29/03/2104 | शनि | 16/10/2119 |

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 1 वर्ष 5 मा 14 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

# लग्न फल

आपका जन्म हस्त नक्षत्र के तृतीय चरण में कन्या लग्नोदय काल हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन राशि का नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण भी साथ-साथ उदित था। आपके जन्मकाल के समन्वित ग्रह प्रभाव से यह परिलक्षित हो रहा है कि आप अध्ययनप्रिय है तथा आप सृजनात्मक लक्ष्य के प्रति सतत प्रयत्नशील तथा समर्पित प्राणी हैं। आपको इस प्रवृति को लाभजनक स्थिति में परिवर्तित करना चाहिए।

आप बुद्धिजीवी व्यक्ति है। परन्तु आपका चारित्रिक बल का महत्त्व प्रदर्शन आपके लिए व्यवधान कारक हो सकता है। आपकी सर्वत्र आलोचना होती है तथा आप जन्म सामन्य के दृष्टिकोण से पथभ्रष्ट होने के नाते आप इनकी श्रेणी में नहीं आते परिणाम स्वरूप अच्छी जामात के लोग आपको अपना प्रतिपक्षी (विरोधी) समझते है। आपके कुछ मित्रगण एवं आपके नौकर अधिक विरुद्ध एक जुट होकर आपको जन सामन्य की नजरों से पतित प्रमाणित करने का प्रयास कर सकते हैं। अतः आपको धैर्यपूर्वक एवं शान्त चित्त से अन्य के साथ अपना उत्तम व्यवहार बनाना होगा।

आपमें अन्य दुर्बलता यह है कि आप मध्यपान करने एवं संभोगात्मक प्रवृति से आकर्षित एवं वशीभूत हैं। आपको उत्तम स्वस्थ जीवन व्यतीत करने के लिए इन आदतों को नियंत्रित करना होगा तथा सुव्यवस्थित पारिवारिक वातावरण को सुनिश्चित करना होगा। क्योंकि मुख्यतः आपकों इस बात का गर्व होगा कि आपकी पत्नी बुद्धिमति है तथा आपको अच्छी सन्तान का संयोग प्राप्त है।

आपको अपने उत्तम स्वास्थ्य हेतु अनावश्यक सम्बन्ध की कोई आवश्यकता नहीं है। आपके उत्तम जीवन हेतु अच्छा वातावरण एवं कार्य कलाप अपनाना चाहिए। परन्तु वर्त्तमान काल आपको उदर विकार एवं मूर्च्छा जनित रोगों के प्रति अति संवेदनशील रहना होगा। आपको कतिपय संभावित रोगादि के प्रति रक्षात्मक प्रवृति रखनी चाहिए। यथा टायफायड, पेचीश एवं बेहोशी मूर्छा जनित आदि रोग आपको स्तम्भित कर सकता है। आपको सतर्कता पूर्वक अतिरिक्त भोजनादि में शाकाहार ग्रहण करना चाहिए। यह आहार-विहार आपके लिए लाभप्रद सिद्ध है।

आप निश्चय ही धनी होकर सुखमय जीवन यापन कर सकते हों परन्तु आपको प्रयत्नशील रहना होगा। आपको नियमितता बरतनी होगी। सम्प्रति आपकी बुद्धि अस्थिर है। प्रायः आपका अस्थिर बुद्धि से अपनी ढुलमुल नीति के अनुसार कोई निर्णय नहीं लेना चाहिए। आपको सर्वप्रथम गम्भीरता पूर्वक अपनी योजना एवं कार्यकलाप के प्रति विचार कर एकाग्रता पूर्वक निर्णयानुसार कार्याम्भ करें।

आपको शीघ्रतापूर्वक धन उपार्जन हेतु अतिरिक्त शक्ति सम्पन्न होना होगा। आप अनुकूल व्यवसायिक कार्यकलाप में धन का विनियोग कर सकते हैं। बहुधा आप ठोस व्यवसाय अपना सकते हैं। आप अपनी उत्तेजनात्मक प्रवृति के प्रति उपेक्षात्मक आचरण का निर्माण करें। आपको अपनी लागत की वापसी हेतु किसी प्रकार की उद्घोषणा करने की आवश्यकता है।

आप भ्रमणशील प्रवृति के प्राणी है तथा बहुधा आप अपने निवास को परिवर्तित करते रहते हैं। कुछ भी हो आप अपनी परिवर्त्तनशील प्रवृति को अटल करें। यह आपके स्वभाव के लिए एक चाभी प्रमाणित होगा। आप अपने अस्थिर रहन-सहन की आदतों को अपूर्ण नहीं रखें अन्यथा यह आपको अति संचालित करता रहेगा। यदि आप अपने जीवन स्तर को उच्चता प्रदान करना चाहते हैं तो आप इस प्रकार की विशेषता का समावेश अपने जीवन में करे।

आपके लिए अंको में सर्वोत्तम अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक है। जीवन के लिए स्वाभाविक है। अंक 1 एवं 8 अंक त्याज्यनीय हैं।

आपके लिए रंग नीला, काला एवं लाल रंग अनुकूल नहीं है। आपको रंगों में पीला, सफेद, हरा एवं सूआपंखी रंग पूर्णतः अनुकूल एवं प्रसन्नतादायक है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।